4. हिन्दी भाषा बदलते संदर्भ

दिनांक: 14–09–2021

इस बेवीनार में कुल 1152 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

BROCHURE

Registration Link of Conference

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfCnFtvq3A1QDa255hhvyR1xHWBqeOnPcI8Iw3MQwiQj0ZTog/viewform?usp=sf_link

You Tube Link of Conference

https://youtu.be/LsU00G59w4Y

Photographs of Conference / News Papers Cutting/ Whatapp Chats

हिन्दी दिवस राष्ट्रीयता व स्वाभिमान का दिवस : डॉ. शुक्ला

बीएसएनएल में हिन्दी पखवाड़ा शुरू

आमेर के पर्यटक गाइड्स ने मनाया हिंदी दिवस

आमेर महल के अधिकृत पर्यटक गाइड्स मंगलवार को हिंदी दिवस मनाते हुए।

हिंदी का प्रसार-प्रचार बना रहा दुनिया में पहचान

विद्वानों का किया सम्मान

हिन्दी दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में हिन्दी सेवियों का सम्मान करते ट्रस्ट के पदाधिकारी।

यूको बैंक का प्रथम 'विजयदान देथा भाषा सेतु सम्मान' ईशमधु को

दैनिक भास्कर

जयपुर जिला चौमू 15-09-2021

कर दिया जाएगा। | का निरीक्षण किया गया। यहां पर पुराना | के लिए निर्देशित किया है। | अवैध कब्जे व अवैध निर्माण

हिंदी दिवस पर कन्या कॉलेज में संगोष्ठी, हिंदी की महत्ता समझाई

कार्यालय संवाददाता | चौमूं

शहर के मोरीजा रोड स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान व एक टीवी के ऑनलाइन प्लेटफार्म पर संयुक्त रूप से हिंदी दिवस पर आयोजित करके अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठ भाषा: बदलते संदर्भ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का संचालन आयोजन सचिव युवा लेखिका व आलोचक डॉ. प्रणु शुक्ला ने किया और बताया कि हिंदी विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। हिंदी दिवस पर आयोजित यह संगोष्ठी हिंदी के संवर्धन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस संगोष्ठी से जो भी निष्कर्ष प्राप्त होंगे, वह हमारी राजभाषा को पुष्पित पल्लवित करने वाले होंगे। संयोजक डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि आज हिंदी वैश्विक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कितने ही

चौमूं | हिंदी दिवस मनाते कार्यकर्ता।

ऐसे नए व समसामयिक पक्ष हैं, जो हिंदी के बदलते परिदृश्य को भाषा के प्रसार के रूप में उल्लेखित करते हैं। राजकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. शम्भू दयाल गुप्ता ने आमंत्रित सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए बताया कि अकादमिक उन्नयन के लिए इस तरह की संगोष्ठीओं का आयोजन निसंदेह हिंदी भाषा का उज्जवल पक्ष है। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला ने हिन्दी भाषा की तारतम्यता, भाषा नियोजन, भाषायी समन्वय, तकनीकी विकास, अनुवाद बहुलता, पत्र-पत्रिकाओं व हिंदी मीडिया के माध्यम से हिंदी की समग्रता और विकास को अंकित करते हुए कहा कि हिंदी भारतीय दर्शन, सभ्यता और संस्कृति के निदर्शन की भाषा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग(यूजीसी) के क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी के उपनिदेशक डॉ. नरेश पाल मीणा, क्वान्तोंग विश्वविद्यालय के विदेशी भाषा विभाग के प्रोफेसर विवेक मणि त्रिपाठी आदि ने संबोधित किया हिंदी भाषा को वैश्विक विकास और उन्नति में भारतीय संस्कृति ,ज्ञान विज्ञान, शिक्षा , साहित्य, योग, दर्शन, और हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान बताया। राजस्थान विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं राजस्थान अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रोफेसर विनोद शर्मा ने अपने वक्तव्य में हिंदी के उदय और विकास पर संक्षिप्त टिप्पणी की।

एनएसयूआई ने मनाया दिवस

चौमूं | एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक चौधरी व प्रदेश प्रभारी गुरजोत सिंह सन्धु और जिलाध्यक्ष राजेश चौधरी के निर्देश अनुसार विधानसभा चौमूं के एनएसयूआई पूर्व महासचिव अजय जाटावत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष में एनएसयूआई द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में कांग्रेस की भूमिका विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित कर हिंदी दिवस मनाया। अजय जाटावत ने बताया कि हिंदी भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व की सबसे अधिक लोकप्रिय भाषाओं में से एक है। हम सभी हिंदी भाषा का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार का संकल्प लें। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पार्षद पवन वर्मा, मनिष सैनी, अमन दादरवाल, नितेश तानावाड, अंकित, सुभाष चौधरी, पवन, राहुल जाट, जय चौधरी आदि एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिंदी भारतीय दर्शन, सभ्यता एवं संस्कृति के निदर्शन की भाषा है: डॉ. शुक्ला

हिंदी दिवस पर हुई अंतरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। 'हिंदी भाषाः बदलते संदर्भ' का आयोजन, राजकीय कन्या महाविद्यालय, चौमूं, हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान एवं क्रेडेंट टीवी के ऑनलाइन प्लेटफार्म पर संयुक्त रूप में किया गया। संगोष्ठी का संचालन आयोजन सचिव युवा लेखिका एवं आलोचक डॉ प्रणु शुक्ला ने किया।

संयोजक डॉ राकेश कुमार ने बताया कि आज हिंदी वैश्विक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं के प्राचार्य प्रोफ़ेसर डॉक्टर शंभू दयाल गुप्ता ने बताया कि अकादमिक उन्नयन के लिए इस तरह की संगोष्ठीओं का आयोजन निसंदेह हिंदी भाषा का उज्जवल पक्ष है।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान के अध्यक्ष डॉ अखिल शुक्ला ने हिन्दी भाषा की तारतम्यता, भाषा नियोजन, भाषायी समन्वय, तकनीकी विकास, अनुवाद बहुलता, पत्र-पत्रिकाओं व हिंदी मीडिया के माध्यम से हिंदी की समग्रता और विकास को अंकित करते हुए कहा कि हिंदी भारतीय दर्शन, सभ्यता एवं संस्कृति के निदर्शन की भाषा है। यह भारतीयता की गरिमा है। इसका बढ़ता हुआ दायरा इस बात का द्योतक है कि हिंदी का प्रसार और प्रचार आज विश्व में अपनी नई पहचान बना रहा है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी के उपनिदेशक डॉ नरेश पाल मीणा कहा कि हिंदी के कार्यालयी पक्षों पर बात की एवं पूर्वोत्तर भारत में हिंदी की स्थिति और हिंदी भाषा के अधिकाधिक प्रसार हेतु जो सरकारी कार्य किए जा रहे हैं उनका उल्लेख किया।

हिंदी दिवस : हिंदी में करें अधिक

वैश्विक परिदृश्य में हिंदी का महत्वपूर्ण स्थान

जयपुर. राजकीय कन्या महाविद्यालय, चौमूं, हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान और क्रेडेंट टीवी ने मिल कर किया गया। संगोष्ठी का संचालन आयोजन डॉ. प्रणु शुक्ला ने किया। संयोजक डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि आज हिंदी वैश्विक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कितने ही ऐसे नए एवं समसामयिक पक्ष हैं जो हिंदी के बदलते परिदृश्य को भाषा के प्रसार के रूप में उल्लेखित करते हैं। राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं के प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर शंभू दयाल गुप्ता ने आमंत्रित सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए बताया कि अकादमिक उन्नयन के लिए इस तरह की संगोष्ठियों का आयोजन निसंदेह हिंदी भाषा का उज्जवल पक्ष है।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला ने हिन्दी भाषा की तारतम्यता, भाषा नियोजन,भाषायी समन्वय, तकनीकी विकास,अनुवाद बहुलता,पत्र.पत्रिकाओं व हिंदी मीडिया के माध्यम से हिंदी की समग्रता और विकास को अंकित करते हुए कहा कि हिंदी भारतीय दर्शन, सभ्यता एवं संस्कृति के निदर्शन की भाषा है।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी के उपनिदेशक डॉ. नरेश पाल मीणा ने अपने उद्बोधन में हिंदी के कार्यालयी पक्षों पर बात की। उनका मानना था कि हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग ही हिंदी के प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम है। राजस्थान विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं राजस्थान अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रोफेसर विनोद शर्मा ने अपने वक्तव्य में हिंदी के उदय और विकास पर संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए उसे भावों और विचारों की संवाहक बताया।

ईशमधु तलवार को विजयदान देथा सम्मान

जयपुर @ पत्रिका. हिंदी दिवस पर यूको बैंक के राजस्थान अंचल कार्यालय ने विजयदान देथा भाषा सेतु सम्मान की शुरुआत की है। हिंदी साहित्य के लिए दिए जाने वाला यह पहला सम्मान मंगलवार को जयपुर में वरिष्ठ लेखक, पत्रकार ईशमधु तलवार को दिया गया। बैंक के सहायक महाप्रबंधक जीएल वर्मा और राजभाषा प्रमुख सुधीर साहू ने उन्हें शॉल ओढ़ा कर सम्मान.पत्र प्रदान किया।